हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-26 ♦देहरादून - रविवार 27 अप्रैल 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्य: 1/-

यात्रियों का सहयोगी बनकर यात्रा को सफल बनाना है : मुख्यमंत्री

देहरादून। चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में एलईडी. स्क्रीन के माध्यम से यात्रियों के लिए भजन, रामायण, महाभारत, चारधाम यात्रा संबंधी कहानियों एवं आरतियों को दिखाया जाएगा तथा मौसम संबंधित जानकारियां उपलब्ध करायी जायेगी। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को ऋषिकेश में चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप (यात्रा रजिस्ट्रेशन कार्यालय) के औचक निरीक्षण के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने आगामी चारधाम यात्रा को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय में पंजीकरण कक्ष, यात्रा पूछताछ एवं सहायता केंद्र, चिकित्सालय, पुलिस सहायता खोया पाया केंद्र जैसी विभिन्न व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रांजिट कैंप में श्रद्धालुओं के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था हो एवं गर्मी से बचाव के लिए कूलर, स्वच्छ पेयजल, टीन शेड, कुर्सियों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा ट्रांजिट कैंप स्थित अस्पताल में सभी प्रकार की दवाइयों की व्यवस्था और चिकित्सकों की तैनाती हो। उन्होंने कहा भीड़ प्रबंधन एवं ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष तौर पर एक्शन प्लान बनाकर प्राथमिकता से कार्य हो।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ट्रांजिट कैंप में स्थापित रिसेप्शन में चारधाम यात्रा प्रचार सामग्री उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा श्रद्धालुओं को चार धाम के साथ ही अन्य स्थलों के बारे में भी जानकारी दी जाए। उन्होंने ट्रांजिट परिसर में स्थापित खोया–पाया केंद्र को संपूर्ण यात्रा मार्गो से समन्वय बनाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा ट्रांजिट कैंप परिसर में उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए अलग से स्थान हो। उन्होंने कहा ट्रांजिट कैंप परिसर का चार धाम से संबंधित सभी जिलों में परस्पर समन्वय हो।

मुख्यमंत्री ने ट्रांजिट कैंप के कार्यरत कर्मचारियों से भी मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा सभी कर्मचारियों के ऊपर चार धाम यात्रा की बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे निश्चित ही सभी लोग बखूबी निभाएंगे। उन्होंने कहा हमने अपने व्यवहार से सभी श्रद्धालुओं का स्वागत करना है ताकि वो यात्रा से अच्छा अनुभव लेकर जाएं।

आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडे ने बताया कि चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में 24 काउन्टर के माध्यम से रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त रिर्जव टीम की तैनाती भी की गई है। यात्रा चिकित्सालय में 24 घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। साथ ही पुलिस सहायता केन्द्र में पुलिस द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किया गया है।

आयुक्त गढ़वाल ने बताया कि यात्रा ट्रांजिट कैंप में मीडिया सेंटर की व्यवस्था की गई है। केन्द्र में यात्री मित्र तैनात किये जायेगें, जो यात्रियों को विभिन्न सुविधाओं और जानकारियां प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न एन.जी.ओ एवं संगठनों द्वारा यात्रियों को निशुल्क भोजन, जलपान एवं खाद्य सामग्री की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी एवं कैंटीन की व्यवस्था भी उपलब्ध होगी। पीने के पानी की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध करवाई गई है साथ ही जल संस्थान द्वारा टैंकर उपलब्ध कराये जायेगे। उन्होंने बताया इसके अतिरिक्त 4 डोरमेट्री सुविधा मय 80 बेड भी उपलब्ध है।

देहरादून में कश्मीरी मूल के छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश

देहरादून। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में घटित आतंकवादी घटना के दृष्टिगत जनपद देहरादून में निवासरत/ अध्यनरत कश्मीरी मूल के छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारियों व थाना प्रभारियों को अपने–अपने क्षेत्र में अध्यनरत/ निवासरत कश्मीरी छात्र–छात्राओं के संपर्क में रहते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। वर्तमान में जनपद देहरादून विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में कश्मीरी मूल के 1201 छात्र/छात्राएं अध्यनरत है, जिनका पुलिस द्वारा विवरण प्राप्त कर सत्यापन की कार्रवाई की जा चुकी है।

कश्मीरी छात्र–छात्राओं की सुरक्षा के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा गुरूवार को बिधोली चौकी में ऐसे सभी शैक्षणिक संस्थानों तथा पी०जी० प्रबंधकों, जिनके यहाँ कश्मीरी छात्र/ छात्राएं अध्यनरत/ निवासरत है, के साथ गोष्टी आयोजित की गई। गोष्टी के दौरान सभी संस्थानों व पी०जी० संचालकों से उनके यहाँ अध्ययन रत/निवासरत छात्र–छात्राओं के संबंध में जानकारी प्राप्त कर उनकी सुरक्षा हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान सभी संचालकों को अपने संस्थानों/ पी०जी० में सुरक्षा संबंधी कोई भी बात होने पर तत्काल उससे पुलिस को अवगत कराने तथा छात्र–छात्राओं को अपने विश्वास में लेते हुए उन्हें उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करने के निर्देश दिए गए है। इसके अतिरिक्त ऐसे स्थान जहाँ पर कश्मीरी छात्र–छात्राए अध्ययन रत/ निवासरत है, उक्त स्थानों पर अतिरिक्त पीएसी का डिप्लॉयमेंट किया गया है, जो नियमित रूप से उक्त स्थानों पर भ्रमणशील रहते हुए कश्मीरी छात्र छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है।

उक्त घटना के संबंध में सोशल मीडिया के माध्यम से आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले व्यक्तियों पर भी जनपद के सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल द्वारा लगातार सतर्क दृष्टि रखी जा रही है तथा अब तक पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर प्रसारित ऐसी 25 पोस्टों को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से हटवाया गया है, साथ ही भड़काऊ भाषण देकर धर्म विशेष के प्रति लोगो की भावनाओ को भड़काने का प्रयास करने वाली एक संस्था के विरुद्ध हेट स्पीच व संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए उक्त पोस्ट को डिलीट कराया गया है

आतंकी हमले के बाद सरकार के पाक पर लिए कड़े कदमों का पुरजोर स्वागतः भट्ट

देहरादून। भाजपा ने आतंकी हमले के बाद सरकार के पाक पर लिए कड़े कदमों का पुरजोर स्वागत किया है। प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा, देवभूमि और देश की जनता, आतंकियों और उनके आकाओं के खिलाफ हर कार्यवाही में मोदी जी के साथ खड़ी है। अब जो कुछ होगा उससे देश के दिशाओं कमर का हमेशा के लिए टूटना निश्चित है।

मीडिया से अलग अलग हुई बातचीत में उन्होंने कहा, दुर्दांत और वीभत्स आतंकी हमले के बाद शुरुआती तौर कर जो कदम भारत सरकार द्वारा उठाए गए हैं उनका पार्टी पूरी तरह से समर्थन करती है। चाहे सिंधु जल समझौते को रद्द करना हो, चाहे अटारी बाघा बॉर्डर बंद करना हो, चाहे वीसा समाप्त करना हो या अन्य कदम हों। उन्होंने कहा, आतंकियों की कायराना हरकत से देशवासियों में जबरदस्त गुस्सा है। मानवता को शर्मशार करने वाली इस घटना से पाक पोषित आतंकवाद ने अब सभी हदों को पार कर दिया है। दरअसल धारा 370 और 35। हटाए जाने के बाद जम्मू कश्मीर लगातार तरक्की की तरफ बढ़ रहा है। जिसे देश के दुश्मन विशेषकर पाकिस्तान को हजम नहीं हो रहा है। अपने कर्मों से कंगाल पाक द्वारा यह सब घाटी में हो रहे विकास कार्य और व्यवसाय को डिरेल करने के लिए करवाया गया है।

उन्होंने कहा, पहले बालाकोट और स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के बाद देश के दुश्मनों को समझ आ गया था कि भारत अब बदल गया है। ऐसी गतिविधियों पर मोदी सरकार द्वारा लगातार ईट का जबाब पत्थर से दिया जा रहा है। लिहाजा उनकी यह अंतिम कोशिश थी जिसका अंजाम उन्हें अपने समूल नाश के साथ मिलने वाला है। जिसे पीएम मोदी द्वारा भी स्पष्ट कर दिया गया है। 140 करोड़ देशवासी, मोदी सरकार की ऐसी सभी निर्णायक कार्यवाही में पूरी तरह साथ है। वहीं विश्वास दिलाया कि मोदी जी देश के सम्मान, सुरक्षा, स्वाभिमान और जनभावनाओं के अनुशार कठोरतम कार्यवाही करेंगे। जिससे हमेशा के लिए आतंकवाद और उनके आकाओं की कमर का टूटना निश्चित है।

सम्पादकीय

चारधाम यात्रा आयोजन की तैयारी

गंगोत्री,यमुनोत्री च,बद्रीकेदारनाथय:।
चतुर्धामं समायाति, पुण्यभूमौ दिवं यथा।।
धर्मयात्रा शुभं यातु, भक्तजनहिताय च।
देवभूमौ सदा तिष्ठेत, हरिहराणां कृपारसा।।

अर्थात

गंगोत्री,यमुनोत्री,बद्रीनाथ और केदारनाथख्रये चार धाम मिलकर पुण्यभूमि में दिव्य-स्थान बनाते हैं। इस पवित्र यात्रा का शुभारंभ मंगलमय हो, जिससे भक्तों को कल्याण प्राप्त हो, और देवभूमि पर सदा हरि-हर (विष्णु-शिव) की कृपा बनी रहे।

देवभूमि उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा का आयोजन हो रहा है।देवभूमि उत्तराखण्ड में आयोजित होने वाली चारधाम यात्रा केवल एक भौतिक यात्रा नहीं है।यह एक गहन आध्यात्मिक अनुभव है जो तीर्थयात्रियों की अटूट भक्ति और सामंजस्य क्षमता का अनवरत परीक्षण करता रहता है। कठिन ट्रैक,अप्रत्याशित मौसम और चुनौतीपूर्ण इलाके जीवन के संघर्षों के रूपक के रूप में काम करते हैं, जो तीर्थयात्रियों को दृढ़ता और विनम्रता के अनमोल मूल्यों की शिक्षा देते हैं।

भौतिक चुनौतियों से परे,चारधाम यात्रा के प्रत्येक तीर्थस्थल में एक अनूठी आध्यात्मिक ऊर्जा विद्यमान है।मंदिरों में अभिगुंजित लयबद्ध मंत्र, कलकल छलछल करती लघु सरिताएं , हरहराते गिरते झरने,कलरव करते खगवृंद,गुनगुने धूप की खुशबू और लुभावने मनमोहक दृश्य तीर्थयात्री को आध्यात्मिकता के चरमोत्कर्ष का अनुभव कराते हैं।

यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की रहस्यमय आभा तीर्थयात्रियों के दिल पर एक अमिट आध्यात्मिक छाप छोड़ती है, जो सांसारिकता और दिव्यता के बीच संबंध को बढ़ावा देती है।

चारधाम यात्रा एक परम पवित्र अभियान पर निकलने का आमंत्रण है,जहाँ हिमाच्छादित हिमालय की विराटता दिव्यता के सानिध्य का निमंत्रण भी देती है और सम्मोहित भी करती है।

चारधाम यात्रा के सफल सुखद आयोजन के लिए मुख्यमंत्री श्री धामी द्वारा चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, पर्यटन विभाग, पेयजल विभाग,पुलिस विभाग, परिवहन विभाग सहित सभी विभागों को संपूर्ण तैयारी के साथ परस्पर बेहतर सामंजस्य एवं तीर्थयात्रियों का सहयोग करते हुए उनके लिए सुखद माहौल प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। चारधाम यात्रा की तैयारी को सम्पूर्णता प्रदान करते हुए सुखद सफल चारधाम यात्रा आयोजन के प्रयास जारी हैं।

जय देवभूमि उत्तराखण्ड!!!जय भारत !!!

डॉ.गार्गी मिश्रा

घाटी में बसे दो प्रकार के वर्ग

बलबीर पुंज

अब्दुल्ला-मुफ्ती परिवारों का दोहरा मापदंड किसी से छिपा नहीं है। यह लोग जब दिल्ली में होते है, तब सेकुलरवाद', एकता, शांति, भाईचारे की बात करते हुए एकाएक भावुक हो जाते है। किंतु घाटी लौटते ही उनके भाषणों/वक्तव्यों में भारतीय एकता-अखंडता के प्रति घृणा, तो बहुलतावाद-लोकतंत्र विरोधी इस्लामी कट्टरपंथियों के लिए सहानुभूति दिखती है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव 18 सितंबर से लेकर एक अक्टूबर के बीच तीन चरणों में संपन्न होंगे। चुनाव का मुद्दा क्या है? क्या कश्मीर वर्ष 2019 से पहले के उस कालखंड में लौटे, जब क्षेत्र में सभी आर्थिक गतिविधियां बंद थी, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना-पुलिसबलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, गाए-बगाए अलगाववादियों द्वारा बंद बुला लिया जाता था और वातावरण पाकिस्तान जिंदाबाद' जैसे भारत विरोधी नारों से दूषित होता रहता था? या फिर इस केंद्र शासित प्रदेश में बीते पांच वर्षों की भांति वैसी विकास की धारा बहती रहे, जिसके कारण कश्मीर तुलमात्मक रूप से शांत है, देश के शेष हिस्सों की तरह संविधान-कानून का इकबाल है और बहुलतावादी संस्कृति के साथ समरसता से युक्त वातावरण है?

यह प्रश्न इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि इस चुनाव में जम्मू-कश्मीर के बड़े क्षत्रप दल नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के साथ गठबंधन किया है, जिसका घोषणापत्र मतदाताओं से वादा करता है कि सत्ता में लौटने पर उस जहरीली धारा 370-35ए को भारतीय संविधान में बहाल करेंगे, जिसके सक्रिय रहते (अगस्त 2019 से पहले) पूरा सूबा अंधकार में था, पर्यटक आने से कतराते थे, सिनेमाघरों पर ताला लगा हुआ था, मजहब केंद्रित आतंकवाद, पाकिस्तान समर्थित अलगाववाद का वर्चस्व था और शेष देश की भांति दलित-वंचितों के साथ आदिवासियों को मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों (आरक्षण सहित) पर डाका था।

धारा 370-35ए के संवैधानिक परिमार्जन के बाद जम्मू-कश्मीर पिछले पांच वर्षों से गुलजार हो रहा है। तिरंगामयी हो चुके श्रीनगर स्थित लालचौक की रौनक देखते ही बनती है। पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। तीन दशक से अधिक के लंबे फासले के बाद नए-पुराने सिनेमाघर संचालित हो रहे हैं। देर रात तक लोग प्रसिद्ध शिकारा की सवारी का आनंद ले रहे हैं। स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालय भी सुचारू रूप से चल रहे हैं। दुकानें भी लंबे समय तक खुली रहती हैं। स्थानीय लोगों का जीवनस्तर सुधर रहा है। जिहादी दंश झेलने के बाद वर्षों पहले घाटी छोडकर गए कश्मीरी पंडित धीरे-धीरे लौटने लगे है।बदली परिस्थिति में जी-20 सम्मेलन हो चुका है, तो फिल्म निर्माता-निर्देशक घाटी की ओर फिर से आकर्षित होने लगे है। जम्मू-कश्मीर की नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत, देश-विदेश से लगभग सवा लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं, जिससे प्रदेश में 4।69 लाख रोजगार पैदा होने का अनुमान है। यहां तक, गत वर्ष कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी श्रीनगर में तिरंगे के साथ अपनी महत्वकांशी भारत जोड़ो यात्रा' का समापन कर चुके है। अगस्त 2019 से पहले क्या स्थिति थी, यह पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे के हालिया वक्तव्य से स्पष्ट है।

जम्मू-कश्मीर का एक वर्ग पाकिस्तानी मानसिकता से ग्रस्त है। चूंकि पाकिस्तान किसी देश का नाम न होकर स्वयं में एक विचारधारा है और काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरणा पाता है, इसलिए घाटी के कुछ नेता इसी चिंतन का प्रतिनिधित्व करते हुए क्षेत्र को पुराने, मजहबी, अराजकवादी और मध्यकालीन दौर में लौटाना चाहते है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी भी घाटी में इसी विभाजनकारी मानस के प्रमुख झंडाबरदार है। जातिगत जनगणना की हिमायती कांग्रेस का गठबंधन उसी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ है, जिसने अपने चुनावी घोषणापत्र में जम्मू-कश्मीर में सभी आरक्षणों की समीक्षा' करने की भी बात कही है। यह वादा क्षेत्र में वाल्मिकी-आदिवासी समाज के साथ मुस्लिम गुज्जर और बकरवालों के अधिकारों पर कुठाराघात करता है। यही नहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से अलगाववाद से प्रेरित स्वायत्तता' की बात कर रहा है। उनके घोषणापत्र में उन कैदियों को रिहा करने का वादा किया गया है, जो आतंकवादी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के शामिल होने के कारण जेल में बंद है। साथ ही उसमें श्रीनगर के प्रसिद्ध शंकराचार्य पर्वत को तख्त-ए-सुलेमान' और हरि पर्वत किले को कोह-ए-मरान' के रूप में संदर्भित किया गया है।जम्मू-कश्मीर में प्रमुख क्षत्रपों के अतिरिक्त सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस' और अल्ताफ बुखारी की जेके अपनी पार्टी' के साथ जेल में बंद अलगाववादी शेख अब्दुल राशिद (राशिद इंजीनियर) की अवामी इत्तेहाद पार्टी' भी चुनावी मैदान में है।

स्वप्ना के आरोप और केरल सरकार

बलबीर पुंज

मुख्य आरोपी और जमानत पर बाहर स्वप्ना सुरेश ने अदालत में शपथपत्र दाखिल करके जो आक्षेप लगाए है, वह बहुत गंभीर है। स्वप्ना के इन सभी आरोपों को निरस्त करते हुए मुख्यमंत्री विजयन 'रा. जनीति से प्रेरित' बता रहे है। किंतु उनकी सरकार मामले की जांच को लेकर कितनी गंभीर है, यह इस बात से स्पष्ट है कि जो बतौर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एम. शिवशंकर, आरोपी स्वप्ना के घर अक्सर आते-जाते रहते थे, जो इस मामले को लेकर 98 दिन जेल में भी रहे- उन्हें वामपंथी सरकार ने जनवरी 2022 में दोबारा बहाल करते हुए खेल-युवा मामलों का प्रधान सचिव बना दिया।

क्या केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन या उनका परिवार, प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से चर्चित स्वर्ण तस्करी में शामिल है? यह सब जांच का विषय है। किंतु इस संबंध में मुख्य आरोपी और जमानत पर बाहर स्वप्ना सुरेश ने अदालत में शपथपत्र दाखिल करके जो आक्षेप लगाए है, वह बहुत गंभीर है। स्वप्ना द्वारा लगाए आरोपों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजयन, उनकी पत्नी कमला, उनकी बेटी वीणा, पूर्व मंत्री के. टी. जलील, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पी. श्रीरामकृष्णन, मुख्यमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव एम.शिवशंकर और कुछ शीर्ष नौकरशाह स्वर्ण तस्करी सहित कई राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में भी संलिप्त है। यही नहीं, स्वप्ना कहती हैं कि वर्ष 2016 में जब पी.विजयन दुबई में थे, तब उसने नकदी से भरा एक बैग भी उन्हें दिया था।यह पहली बार नहीं है कि केरल के सोना तस्करी मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय पर संदेह की सुई घूमी हो। जब से इस पूरे कांड का खुलासा हुआ है, तब से अन्त. तोगत्वा यहीं बातें ही सामने आ रही है। स्वप्ना सुरेश पुलिस की पूछताछ में भी इन्हीं आरोपों को दोहराया चुकी है। वही स्वप्ना के इन सभी आरोपों को निरस्त करते हुए मुख्यमंत्री विजयन 'राजनीति से प्रेरित' बता रहे है। किंतु उनकी सरकार मामले की जांच को लेकर कितनी गंभीर है, यह इस बात से स्पष्ट है कि जो बतौर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एम.शिवशंकर, आरोपी स्वप्ना के घर अक्सर आते-जाते रहते थे, जो इस मामले को लेकर 98 दिन जेल में भी रहे- उन्हें वामपंथी सरकार ने जनवरी 2022 में दोबारा बहाल करते हुए खेल-युवा मामलों का प्रधान सचिव बना दिया। सोचिए, यदि यह सब किसी भा. जपा शासित राज्य में होता, तो यह कई समाचारपत्रों और न्यूज चौनलों की मुख्य हेडलाइन होती, साथ ही देश का एक वर्ग नैतिकता के नाम की ढपली पीटने लगता। क्या केरल के इस मामले में ऐसा कुछ हुआ?- नहीं। क्या इसका कारण मुख्यमंत्री पी.विजयन के वैचारिक-राजनीतिक दर्शन में निहित है? इस तस्करी का भंडाफोड़ 5 जुलाई 2020 को तिरुवनंतपुरम हवाईअड्डे में तब हुआ, जब एक 70 किलो का भारी-भरकम राजनायिक खेप वहां उतरा। इसे लेने यूएई दूतावास का पूर्व कर्मच. ारी सरिथ कुमार आया था। संदेह होने और स्वीकृति मिलने पर जब सीमा शुल्क अधिकारियों ने उस खेप की जांच की, तो वे हैरान रह गए। उसमें खाद्य पदार्थों, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के बीच पाइप, नल और दरवाजों के हैंडल दिखा। उन्हीं पाइपों के भीतर चौबीस कैरेट का तीस किलो सोना भरा हुआ था, जिसकी तब अनुमानित कीमत 15 करोड़ रुपये थी। जांच में पता चला कि स्वप्ना तब यूएई दूतावास के लगातार संपर्क में थी। बताया जाता है कि मामले का पर्दाफाश होने के सालभर पहले तक दूतावास के लिए ऐसे कई भारयुक्त कार्गो राज्य में पहुंचे थे, जो 'राजनयिक छूट' के कारण बिना किसी जांच के आसानी से हवाईअड्डे के बाहर आ गए। तब जांचकर्ताओं ने उस समय 230 किलो सोने की तस्करी की संभा. वना जताई गई थी। अनुमान लगाना कठिन नहीं कि ऐसा कितनी बार हो चुका होगा। इस पूरे मामले में सोने की तस्करी तो है ही, साथ ही इसमें देशविरोधी गतिविधियों (आतंकवाद के वित्तपोषण सहित) की दुर्गंध भी आ रही है- एनआईए जांच इसका प्रमाण है। इस पूरे कांड में मुख्य सूत्रधार स्वप्ना प्रभु सुरेश ही है। दिखने में आकर्षक और कई भाषाएं धाराप्रवाह बोलने वाली इस महिला की पहुंच केरल सरकार में कितनी थी, यह इस बात से स्पष्ट है कि उन्हें बिना किसी पर्याप्त योग्यता के केरल राज्य सूचना प्रौद्योगिकी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (केएसआईटीआईएल) के अंतर्गत स्पेस पार्क की विपणन संपर्क अधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया गया था। आरोप है कि स्वप्ना को यहां तक पहुंचाने में तत्कालीन मुख्यमंत्री पी. विजयन के मुख्य सचिव एम.शिवशंकर ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई थी। सोचिए, स्वप्ना उन पदों पर बिना किसी अनुभव, गला काट प्रतिस्पर्धा और उचित शैक्षणिक योग्यता के पहुंच गई, जहां अधिकांश लोग वर्षों की कड़ी मेहनत, परिश्रम, वांछित योग्यता और घूस/सिफराशि देने के बाद भी नहीं पहुंच पाते है। क्या यह केरल सरकार में शामिल प्रभावशाली लोगों की संलिप्ता के बिना संभव था?

इसमें कोई संदेह नहीं कि स्वप्ना एक अति-महत्वकांशी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार- यूएई के अबू धाबी में जन्मी स्वप्ना का वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहा। अल्पकाल में ही पति को तलाक देकर अपनी बच्ची के साथ स्वप्ना तिरुवनंतपुरम रहने लगी और कालांतर में उसने दूसरी शादी कर ली। केरल में स्वप्ना ने एक ट्रैवल एजेंसी में काम किया। इस दौरान वह एक ऐसे व्यक्ति की सचिव भी बनी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की धोखाधड़ी में पहले से संलिप्त रहा था। वर्ष 2013 में स्वप्ना ने एयर इंडिया की सहायक कंपनी- एआईएसएटीएस का रूख किया, जहां थोड़े ही अंतराल में वे एयरपोर्ट के सभी प्रमुख स्थानों और अधिकारियों से परिचित हो गई। संभ. वत: उसे इसी दौरान 'राजनायिक खेप' को मिलने वाले 'कानूनी-सुरक्षा' का पता चला होगा। स्पष्ट था कि स्वप्ना की मंशा कम समय में तरक्की पाने की थी। जो भी स्वप्ना के मार्ग में आया, उसे उसने कहीं का नहीं छोड़ा। ऐसा ही एक मामला हवाईअड्डे पर काम करते हुए भी आया, जहां उसके अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले एलएस शिबू के खिलाफ एकाएक 17 लड़कियों ने यौन-शोषण की शिकायतें दर्ज करवा दी। जांच में पता चला कि सभी मामले फर्जी और झूठे थे, जिसकी पटकथा स्वप्ना ने लिखी। अपने इस अपराध की स्वीकारोक्ति के बाद स्वप्ना न केवल आसानी से बच निकली, अपितु उसने मुख्यमंत्री कार्यालय तक अपनी पहुंच बना ली। अब भला यह चमत्कार कैसे हुआ? सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों से स्पष्ट है कि यूएई में शक्तिशाली लोगों से स्वप्ना की जान-पहचान थी। इसी कारण उसे तिरुवनंतपुरम स्थित यूएई के महावाणिज्य दूतावास में बतौर सचिव नौकरी मिली। इसी के बाद स्वप्ना ने केरल में प्रशासनिक और राजनीतिक संपर्क मजबूत किए। शासन-व्यवस्था में दबदबा इतना हो चुका था कि वाणिज्य दूतावास में एक पुलिसकर्मी द्वारा सलामी नहीं देने पर स्वप्ना ने ऊपरी अधिकारी को फोन करके उसे वहां से हटवा दिया।

आखिर क्या है ऑफिस कोल्ड और इससे बचने का तरीका

क्या आपने भी यह बात महसूस की है कि आपको ऑफिस में ज्यादा ठंड लगती है और बाहर निकलते ही आप ठीक हो जाते हैं। ऑफिस में जुकाम और छींक आती रहती है और ऑफिस से बाहर आते ही आप ठीक महसूस करने लगते हैं। यह सब इस

वजह से होता है क्योंकि आप ऑफिस कोल्ड से पीड़ित हैं। जी हां, कोल्ड और फ्लू दोनों संक्रामक बीमारी है। अगर आपको जुकाम है और आप छींकते हैं तो आपके बगल में बैठा व्यक्ति इससे बच नहीं सकता। इस तरह का इंफेक्शन ऑफिस जैसे बंद माहौल में और तेजी से फैलता है। ऐसे में इससे बचने के लिए आप इन आसान तरीकों को अपना सकते हैं।

बॉडी को हाइड्रेटेड रखें

ये तो हम सब जानते हैं कि पानी हर समस्या का हल है। अगर आप पर्याप्त मात्रा में पानी पीते हैं तो ये बीमारी से होने वाले डिहाइड्रेशन को भी खत्म करता है और शरीर में लिक्विड की मात्रा बनाए रखता है।

हाथ धोना न भूलें

किसी भी बीमारी चाहे कोल्ड ही क्यों न हों बचने का सबसे आसान तरीका है कि आप जर्म-फ्री रहें। नियमित रूप से अच्छी तरह से हाथ धोएं और वह भी कम से कम 20 सेकंड तक। ऐसा करने से न सिर्फ आप बल्कि दूसरे लोग भी जो आपके आसपास रहते हैं बीमार पड़ने से बच जाएंगे।

छोटे ब्रेक्स लेते रहें

8 घंटे के ऑफिस में चलते रहना और ब्रेक लेना आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। अगर आप काफी घंटे बिना किसी ब्रेक के काम करते जा रहे हैं तो ऐसे में स्ट्रेस हॉर्मोन रिलीज होता है जिससे आपकी बॉडी काफी सेंसिटिव हो जाती है और आप आसानी से कोल्ड की गिरफ्त में आ जाते हैं। इसलिए स्ट्रेस से बचने के लिए बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें।

सर्दी खाँसी की दवा यूज करें

आप कॉमन कोल्ड के लिए बार-बार ऑफिस से छुट्टी नहीं ले सकते। ऐसे में दवाइयों के अलावा एक ही चीज आपको बचाती है और वह है सर्दी खाँसी की दवा, जो तुरंत कंजेशन से आराम देता है ताकि आप खुलकर सांस ले सकें।

कॉफी नहीं ग्रीन टी लें

अपनी सुबह की कॉफी को रिप्लेस कर ग्रीन टी को चुनना आपके लिए सेहतमंद साबित हो सकता है क्योंकि ग्रीन टी में मौजूद ऐंटिऑक्सिडेंट बॉडी की इम्यूनिटी को बढ़ाते हैं जिससे आप काफी संक्रामक बीमारियों से बच सकते हैं।

एक्सर्साइज

एक्सर्साइज केवल वजन कम करने के लिए नहीं होता। अगर आप को खतरनाक इन्फेक्शन और संक्रामक बीमारियों से बचना है तो एक्सर्साइज आपके लिए काफी मददगार हो सकता है।

एक्सर्साइज शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है और आपको फिट और सेहतमंद रखता है।

इन घरेलू नुस्खों से दूर करें गर्दन का कालापन

हार्मोन इंबैलेंस, फंगल इंफेक्शन, धूप या बाहरी धूल आदि की वजह से अक्सर आपकी गर्दन का बड़े हिस्सा काला हो जाता बै। चलिए हम आपको बताते हैं ऐसे कुछ घरेलू नुस्खे जिनसे आपकी ये समस्या हमेशा के लिए दूर रहेगी।

एलोवरा

एलोवेरा का आजकल कॉस्मेटिक में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है। इसलिए अगर हो सके तो रोजाना एलोवेरा के गूदे को निकालकर रगड़ने से गर्दन का कालापन यकीनी तौर पर दूर हो जाएगा।

बेकिंग सोडा

इसके लिए सबसे पहले बेकिंग सोडा में पानी मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें, फिर इसे स्क्रब की तरह इस्तेमाल करें। इससे आपकी इन जगहों से डेड स्किन सेल्स हट जाएंगी और कालापन भी दूर होगा।

नीम का पेस्ट

हफ्ते में एक दिन नीम का पेस्ट गर्दन पर लगाने से सफेदी आती है। दरअसल नीम एक अच्छा एंटीबैक्टेरियल सोर्स है। इसके अलावा कालापन दूर करने के लिए आलू के पतले टुकड़ों को उन जगहों पर रगड़ने से काफी फायदा होता है। इसमें थोड़ा सा शहद और नींबू मिला दें तो काम बन जाता है।

नींबू

नींबू एक काफी अच्छा नैचरल ब्लीचिंग एजेंट है। इसलिए रोज सुबह नहाने से पहले गर्दन पर नींबू रगड़ने से भी कालापन दूर हो जाता है। हालांकि नहाने के बाद आपको यहां मॉइस्चराइजर याद से लगा लेना चाहिए।

बादाम

अक्सर बादाम का उपयोग कई कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट में होता है। हालांकि आप चाहें तो 5 से 8 बादाम को घिसकर, इसमें एक चम्मच दूध पाउडर और शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं और इस पेस्ट से हफ्ते में 3 से 4 बार गर्दन मालिश करें।

चंदन पाउडर

चंदन पाउडर में गुलाब जल मिलाकर उसे गर्दन कुछ समय तक लगातार मालिश करें। इसके बाद फिर आधे घंटे तक उस लेप को लगे रहने दें और बाद में साफ करें। लगातार कुछ हफ्तों तक ही ऐसा करने से काफी फायदा होता है।

सर्दियों में गीजर खरीदने से पहले जान लें ये जरूरी बातें

गीजर और वॉटर हीटर हमारी लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा बन चुके हैं। खासकर सर्दी का मौसम शुरू होते ही कड़ाके की ठंड में पानी छूने से भी डर लगता है। ऐसे में आपके पास गीजर के अलावा कोई ऑप्शन नहीं बचता है। सर्दी की शरूआत के साथ ही मार्केट में और ऑनलाइन वेबसाइट्स पर भी तमाम नए गीजर्स, कंपनियों द्वारा मिलने लग जाते हैं।

यहां हम आपको बता रहें हैं कि अगर आप गीजर खरीदने जा रहे हैं तो इन बातों का जरूर ध्यान रखें..

क्विक और सेफ

एक अच्छा गीजर या वॉटर हीटर केवल कुछ मिनटों में पानी गर्म कर देता है और ये काफी सेफ होने के साथ-साथ इसमें बिजली की खपत भी कम होती है।

एनर्जी एफिशिएंसी

नए टैंकलेस वॉटर गीजर बिजली की कम खपते करते हैं जिससे कि बिजली बचती है जबकि ट्रडिशनल वॉटर हीटर में पानी स्टोर होता है जिससे ये बिजली ज्यादा खर्च करता है। वैसे टैंकलेस गीजर ,ट्रडिशनल गीजर की तुलना में थोड़े मंहगे होते हैं। आप अपनी सुविधा के हिसाब से चुन सकते हैं।

स्पेस

ट्रडिशनल वॉटर हीटर काफी बड़ा और भारी होता है जिससे ये ज्यादा जगह लेता है। ये इंस्टॉलेशन में अधिक स्पेस लेता है। वहीं दूसरी ओर टैंकलेस गीजर में कॉपैक्ट साइज में आता है और कम जगह घेरता है।

कब तक चलेगा

टैंकलेस वॉटर हीटर टैंक गीजर की अपेक्षा ज्यादा लंबे समय तक चलता है, क्योंकि टैंक गीजर जल्दी खराब हो जाता है। टैंकलेस वॉटर हीटर 20 साल तक चल सकता है।

स्टोरेज

टैंकलेस गीजर एक बार में ज्यादा से ज्यादा 6 लीटर गर्म पानी दे सकता है अगर आपको और गर्म पानी चाहिए तो आपको इंतजार करना होगा। बड़े टैंक वॉटर हीटर में 150 लीटर तक गर्म पानी स्टोर हो जाता है,जिससे आपको लगातार गर्म पानी मिलता रहेगा।

किसे खरीदें

अगर पैसे की बात करें तो टैंकलेस गीजर, टैंक गीजर की तुलना में ज्यादा मंहगे होते हैं। खरीदते समय अपना बजट और अपनी फैमिली साइज पर भी ध्यान दें। आपकी जरूरत के हिसाब से जो सही लगे आप उस गीजर को खरीद सकते हैं।

कुछ पॉप्युलर गीजर मॉडल्स

वी गार्ड 6एल सेफफ्लोप्लस गैस गीजर ये गीजर आपको ऑनलाइन 6 हजार रुपये तक में मिल जाएगा। इसमें ऑटो शट टाइमर का भी ऑप्शन होता है और ये आपको 2 साल की वॉरंटी के साथ मिलेगा।

बजाज मैजस्टी एलपीजी 6-लीटर वॉटर हीटर

बजाज सबसे ज्यादा भरोसेमंद ब्रांड्स में से एक है। अडवांस तकनीक से लैस इस गीजर की कीमत 5000 हजार तक है। इस गीजर में मल्टीपल सेफ्टी फीचर भी उपलब्ध है।

हायर ई एस15 एच ई1 15 लीटर वॉटर गीजर

ये गीजर अभी हाल में ही लॉन्च किया गया है जिसे आप ऑनलाइन या मार्केट से भी खरीद सकते हैं। इसकी कीमत 6 हजार 500 रुपये है।

सिर में खुजली से परेशान ? ट्राई करें ये आसान घरेलू तरीके

सिर में खुजली न सिर्फ आपकी और आपके बालों की सेहत के लिए परेशानी की वजह हो सकती है बल्कि शर्मिंदगी की भी। खासकर, सर्दियों में स्कैल्प ड्राई होने पर यह प्रॉब्लम और भी बढ़ जाती है। ऐसे में क्या किया जाए कि सिर की खुजली से बचा जाए ? यहां देखें, 7 आसान घरेलू तरीके जिनसे आप सिर की खुजली को कह सकते हैं बाई...

नींबू का रस नींबू के रस में ऐंटी-माइक्रोबियल और ऐंटी-इन्फ्लेमटरी खूबियां होती हैं। एक कॉटन बॉल से इस स्कैल्प पर लगाकर 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर पानी से धो दें। ऐसा हफ्ते में एक-दो बार करें और आपको आराम मिलेगा।

नारियल तेल कई बार खुजली का कारण स्कैल्प का सूखापन होता है। नारियल का तेल स्कैल्प के लिए बेहतरीन मॉइस्चराइजर होता है। इसे गर्म करके सिर में मसाज करें। जितनी देर हो सके, इसे छोड़ दें और फिर शैंपू से धो दें। इसके अलावा, नारियल के तेल में थोड़ा सा कपूर मिलाकर सिर की त्वचा पर मालिश करें। कपूर की तासीर ठंडी होती है जिसके चलते खुजली शांत होगी और किसी तरह का इंफेक्शन होने पर भी ठीक हो जाएगा।

बेकिंग सोडा 2-3 चम्मच बेकिंग सोडा लें और पानी के साथ पेस्ट बनाएं। इसे स्कैल्प पर लगाएं और 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें। बेकिंग सोडा ऐंटी-बैक्टीरियल और ऐंटी-फंगल एजेंट होता है और यह स्कैल्प का श्च॥ कम करता है।

प्याज का रस एक प्याज लेकर उसका रस निकालें। इसे कॉटन से स्कैल्प पर लगाएं और कम से कम 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे स्कैल्प की इन्फेक्शन से सुरक्षा होगी और जलन कम होगी।

ऐपल साइडर विनेगर एक चम्मच ऐपल साइडर विनेगर को चार चम्मच पानी में मिलाएं और स्कैल्प की मसाज करें। सेब में मौजूद मैलिक ऐसिट में ऐंटी-बैक्टीरियल और ऐंटी फंगल प्रॉपर्टीज खुजली कम करती हैं।

गेंदे के फूल गेंदे के फूल में एंटी-इंफ्लेमेंटरी और एंटी-बैक्टिरियल गुण होते हैं, जो सिर की खुजली दूर करने में मददगार हैं।

दही दही से सिर की त्वचा पर मसाज करने से भी खुजली दूर होती है। इससे बालों में चमक आती है।

सिर की सफाई भी जरूरी है क्योंकि गंदगी से खुजली हो सकती है।

पंचायतें भारतीय लोकतंत्र की आत्मा

बागेश्वर। पंचायती राज दिवस के अवसर पर जिला पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंचायतों को भारतीय लोकतंत्र की श्आत्माश बताते हुए उन्हें और अधिक सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए स्वामित्व योजना, डिजिटल इंडिया, ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) और विभिन्न तकनीकी नवाचारों के महत्व को रेखांकित किया। दर्जा राज्यमंत्री शिव सिंह बिष्ट ने पूर्व की व्यवस्थाओं और वर्तमान पारदर्शिता की तुलना करते हुए कहा कि पहले सरकारी धन का बहुत छोटा हिस्सा ही धरातल तक पहुंच पाता था, लेकिन अब तकनीक और पारदर्शी प्रक्रियाओं के चलते एक-एक रुपया विकास कार्यों में खर्च हो रहा है। उन्होंने जोर दिया कि सरकार पंचायती

व्यवस्थाओं को निरंतर मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रशासक जिला पंचायत बसंती देव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत कर उन्हें जमीनी स्तर पर निर्णायक भूमिका में लाना है। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करने का माध्यम है। पंचायती राज दिवस दरअसल उस ऐतिहासिक क्षण की याद दिलाता है जब 73वें संविधान संशोधन के तहत गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए। उन्होंने ग्राम पंचायत विकास योजना, जियो टैगिंग, परिसंपत्ति पंजिका और खतौनी निरीक्षण जैसी पहलों को ग्राम स्तर पर पारदर्शिता और गुणवत्ता सुधार का आधार बताया।

पहलगाम में आतंकी हमले के खिलाफ लोगों में गुस्सा बरकरार

बागेश्वर । पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ बागेश्वर के लोगों में गुस्सा बरकरार है। नाराज लोगों ने आतंकवाद का पुतला दहन किया। केंद्र सरकार ने आतंक के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। बागेश्वर के बीडी पांडे परिसर में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को संवेदना व्यक्त की गई। परिसर में आतंकवाद का पुतला फूंका। उन्होंने सरकार से आतंकवाद को खत्म करने की मांग की है। इस मौके पर उमेश सिंह शाहर, सौरभ जोशी, भावना, सुमित जोशी, विक्रम दानू, गौरव मेहता, हरीश कुमार आदि उपस्थित रहे। विहिप कार्यकर्ताओं ने एसबीआई तिराहे पर आतंकवाद का पुतला दहन किया। विजय परिहार, हरीश सोनी, कुंदन टंगड़िया, कुलदीप नगरकोटी, रवि रस्तोगी, ललित तिवारी, सौरभ जोशी, शिवम पंत, धीरज कार्की, कमल मलड़ा आदि मौजूद रहे। इसके अलावा संघर्ष वाहिनी से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भी आतंकवाद का पुतला दहन किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष कवि जोशी, रमेश पाण्डेय (कृषक) संरक्षक, प्रकाश पांडेय, नवनीत बिष्ट, सुनील पांडेय, नागेंद्र मनवाल, महेश नगरकोटी, संस्कार भारती, दिव्यांशु पिंडारी, अनमोल कुमार, हेम जोशी, जगदीश पाठक, मयंक चौबे, रमेश दानू, वीरेंद्र नेगी आदि मौजूद थे।

सीबीआई अधिकारी बन बुजुर्ग से ठगे 7.20 लाख, दो ठग मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

अल्मोड़ा। लमगड़ा थाना क्षेत्र के एक बुजुर्ग को मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर सात

लाख बीस हजार रुपये की ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने मध्य प्रदेश के खरगौन जिले से गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह खुद को सीबीआई अधिकारी बताकर पीड़ित को वीडियो कॉल के जरिये श्डिजिटल अरेस्टश की धमकी दे रहा था। लमगड़ा निवासी जीवन सिंह मेहता ने बीती 21 फरवरी को थाने में तहरीर दी। तहरीर में कहा कि 13 से 17 जनवरी के बीच उन्हें लगातार वीडियो कॉल कर खुद को केंद्रीय जांच एजेंसी का अधिकारी बताने वाले व्यक्ति ने धमकाया कि उनका आधार और पैन कार्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इस्तेमाल हुआ है। पीड़ित को झूठे केस में फंसाने, गिरफ्तारी और यहां तक कि एनकाउंटर की धमकी देकर डराया गया। ठगों ने लगातार कॉल में बुजुर्ग को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर विश्वास में लिया और तीन किस्तों में कुल 7.20 लाख रुपये बताए गए बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। लंबे समय तक जब पैसे नहीं लौटे और कॉल करने वालों के नंबर बंद हो गए, तब जाकर पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ। एसएसपी अल्मोड़ा देवेंद्र पींचा के निर्देश पर थानाध्यक्ष लमगड़ा राहुल राठी और एसओजी प्रभारी भुवन जोशी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह और क्षेत्राधिकारी गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में जांच को आगे बढ़ाया गया। साइबर सेल प्रभारी कुमकुम धानिक की टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की और 21 अप्रैल को खरगौन से दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान संतोष गुर्जर (31) और कपिल सोनी (49) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ लमगड़ा थाना में एफआईआर संख्या 03/2025 के तहत बीएनएस की धारा 318(4)/61(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरोह में शामिल अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। एसएसपी द्वारा पुलिस टीम को 10 हजार रुपये के नकद इनाम से पुरस्कृत किया गया है। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि वे खुद को किसी जांच एजेंसी का अधिकारी बताने वाले किसी भी अनजान कॉल पर भरोसा न करें और ऐसी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

टिहरी डीएम मयूर दीक्षित ने दिल्ली में सिविल सेवा दिवस पर विचार रखे

नई टिहरी । सिविल सेवा दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में सिविल सेवा चुनौतियां, सुधार और अवसर विषय पर व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। जिसमें देशभर के 10 चिन्हित आईएएस अधिकारियों ने अपने विचार साझा किए। बीते सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड से टिहरी जिले के जिलाधिकारी मूयर दीक्षित ने उक्त विषय पर अपना संबोधन दिया। 2013 बैच के आईएएस अधिकारी मयूर वर्तमान में टिहरी जिले के डीएम और पुनर्वास निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को जनपद, ब्लॉक और गांव स्तर के क्रियान्वित करने के लिए ग्राम स्तर के अधिकारियों यथा ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ), ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (वीपीडीओ) को नई-नई प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों के उपयोग कर धरातल पर योजनाओं को प्रभावी ढंग से उतारने का सुझाव दिया।

होटलों और दुकानों में सीसीटीवी लगाने के निर्देश

चमोली। आगामी चारधाम यात्रा के सकुशल और सुचारू संचालन की तैयारियों को लेकर बुधवार को कर्णप्रयाग में प्रभारी निरीक्षक राकेश भट्ट ने कर्णप्रयाग के व्यापारियों और होटल व्यवसायियों के बैठक की। उन्होंने होटल व्यवसायियों और व्यापारियों दुकानों में सीसीटीवी लगाने के निर्देश दिए। कहा कि होटल और रेस्टोरेंट व्यवसायी सुरक्षा की दृष्टि से अपने रिसेप्शन और किचन क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। होटलों में ठहरने वाले यात्रियों के वाहनों को उचित स्थान पर ही पार्क करवाया जाए ताकि मुख्य सड़क पर यातायात बाधित न हो। सभी प्रतिष्ठानों/होटलों में कमरों के किराए और खाद्य पदार्थों की रेट लिस्ट प्रमुखता से प्रदर्शित करें ताकि पारदर्शिता बनी रहे। दुकानों का सामान फुटपाथ या सड़क पर रखकरअतिक्रमण न करें।

पहलगाम हमले के विरोध में कोटद्वार बाजार रहा बंद

कोटद्वार। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है। लोग अपने-अपने तरीकों से हमले की निंदा करते हुए केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। कोटद्वार के व्यापारियों ने गुरुवार को 11 बजे तक अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। प्रांतीय उद्योग व्यापर मंडल के आह्वान पर कोटद्वार मुख्य बाजार से लेकर भाबर क्षेत्र तक की दुकानें बंद रही। इस दौरान दूरस्थ क्षेत्रों से आए यात्रियों को चाय तक नसीब नहीं हो पाई। हालांकि यातायात पूर्व की तरह चालू रहा। इसके बाद व्यापारी हिंदू पंचायती धर्मशाला में एकत्रित हुए। वहां से वे जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए झंडाचौक पहुंचे और आतंकवाद का पुतला दहन किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। आतंकवादी बाहर से आने जाने वाले पर्यटकों सहित आम लोगों को भी निशाना बना रहे हैं, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार को आतंकवादियों और उनको संरक्षण प्रदान करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। इसके बाद व्यापारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतले को आग के हवाले कर दिया। पुतला दहन करने वालों में व्यापार मंडल नगर अध्यक्ष भंजू भाटिया, विक्की गोयल, राजदीप माहेश्वरी, अजय गुप्ता, अंकित सिंघानिया और सेवकराम मानूजा सहित अन्य व्यापारी शामिल रहे।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आर्फसेट प्रिंटर्श 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।